

फरावली केमप में पेचा हुई। मूलवाद का
निस्तारण जरीये विज्ञा किया जा चुका है। अतः
पार्थग पत्र सारदीन होने के कारण खारिज
किया जाता है।

फरावली केवल सुमार दोहर नम्बर से
कम है।